

BENGALI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORTS, PRÉCIS WRITING,
COMPOSITION AND TRANSLATION

PAPER-I

Time Allowed — 3 Hours

Full Marks — 200

If the questions attempted are in excess of the prescribed number, only the questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and the remaining ones ignored.

The figures in the margin indicate marks for each question.

Do not write your name, address etc. anywhere inside the answer book.

Write X, Y, Z if necessary.

- ১। নিম্নলিখিত যে কোনো একটি বিষয় সম্পর্কে আপনার অভিমত কোনো বাংলা দৈনিক পত্রিকার সম্পাদকের কাছে অনধিক ১৫০ শব্দের মধ্যে পত্রাকারে বিবৃত করুন : (নাম-ঠিকানার পরিবর্তে X, Y, Z লিখুন।) ৪০

- (ক) বিশ্ব জলদিবস : জলসমস্যা ও সমাধান
(খ) পর্যটন শিল্পে অতিমারীর প্রভাব
(গ) সাম্প্রতিক বিজ্ঞাপনের ভাষা

- ২। নিম্নলিখিত বিষয় সম্পর্কে ২০০ শব্দের মধ্যে একটি সম্পাদকীয় প্রতিবেদন লিখুন : ৪০
'যুদ্ধে কেবল প্রাণহানিই ঘটে না, পরিবেশও বিপন্ন হয়।'

- ৩। নিম্নলিখিত অংশের সারমর্ম (Précis) লিখুন : (এর জন্য দেওয়া বিশেষ Précis-sheet ব্যবহার করুন।) ৪০

সহজভাবে আপনার জীবনে প্রাত্যহিক কাজ করে যাওয়ার চেয়ে সুন্দর এবং মহৎ আর কিছু হতে পারে না। মাঠের তৃণ থেকে আকাশের তারা পর্যন্ত তাই করছে; কেউ গায়ের জোরে আপনার সীমাকে অতিক্রম করবার চেষ্টা করছে না বলেই প্রকৃতির মধ্যে এমন গভীর শান্তি এবং অপার সৌন্দর্য বিরাজ করছে। অথচ প্রত্যেকে যেটুকু করছে সেটুকু সামান্য নয়—ঘাস আপনার চূড়ান্ত শক্তি প্রয়োগ করে তবে ঘাসরূপে টিকে থাকতে পারে, শিকড়ের শেষ প্রান্তটুকু পর্যন্ত দিয়ে তাকে রসাকর্ষণ করতে হয়। সে যে নিজের শক্তি লক্ষ্যন করে বটগাছ হবার নিষ্ফল চেষ্টা করছে না, এইজন্যই পৃথিবী এমন সুন্দর শ্যামল হয়ে রয়েছে। বাস্তবিক, বড়ো বড়ো উদ্যোগ এবং লম্বা-চওড়া কথার দ্বারা নয়, কিন্তু প্রাত্যহিক ছোটো ছোটো কর্তব্য-সমাধা দ্বারাই মানুষের সমাজে যথাসম্ভব শোভা এবং শান্তি আছে। বসে বসে হাঁসফাঁস করা, কল্লনা করা, কোনো অবস্থাকেই আপনার যোগ্য মনে না করা, ইতিমধ্যে সুমুখ দিয়ে সময়কে চলে যেতে দেওয়া—এর চেয়ে হয় কিছু হতে পারে না। যখন মনে মনে প্রতিজ্ঞা করা যায়, নিজের সাধ্যায়ত্ত সমস্ত কর্তব্য সত্যের সঙ্গে, বলের সঙ্গে, হৃদয়ের সঙ্গে, সুখ দুঃখের ভিতর দিয়ে পালন করে যাব এবং যখন বিশ্বাস হয় তা করতে পারব, তখন সমস্ত জীবন আনন্দে পরিপূর্ণ হয়ে ওঠে, ছোটোখাটো দুঃখবেদনা একেবারে দূর হয়ে যায়।

- ৪। অনুচ্ছেদটি পাঠ করে তার ভিত্তিতে নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির উত্তর দিন : ১০×৪=৪০

বেলা দশটার মধ্যেই স্টিমার খুলনা ছেড়ে রওনা হল। এখন চলেছি মানুষের ঘরকমার সাথী ছবির মতো ছোটো নদী দিয়ে। দুই পাড়ে ধানক্ষেত। ধান কাটা শেষ হয়েছে। বাদামি রঙের ফাঁকা মাঠ, গোরু চরছে। মাঝে মাঝে চৌকো সরষক্ষেত। একটু পর-পরই লোকালয়; খোড়ো ঘর, ঢেউ তোলা টিনের ঘর—আম, নারকেল, কলাগাছে ঘেরা। স্নানের ঘাটে লোকের ভিড়; পাড়ের উপর ছাগলছানা লাফাচ্ছে। কোথাও নদীর ধারে হাটের জায়গা; ছোটো ছোটো টিনের চালা, গোটাকয়েক টিনের বেড়ার ঘর। পাড়ের উপর দিয়ে লোক চলাচলের পথ; নানা বেশের লোক চলেছে—কারও মাথায় ছাতি, কারও কাঁধে মোটা।

আমাদের সারেং রহমত আলির নৌকা চাপা দেবার ভয় অত্যন্ত বেশি। বোধহয় কোনোদিন ও কাজ করে বিপদে পড়েছিল। কিন্তু খোঁড়ার পা-ই খানায় পড়ে। বেলা যখন দুটো, আর স্টিমার এসেছে কালিয়া গ্রামের কাছাকাছি, তখন স্টিমারের বাদিকের ফ্ল্যাটের সঙ্গে একখানা বড়ো পাট-বোঝাই নৌকার একটা মৃদু-রকম ঠোকাঠুকি হল। ফলে নৌকাখানি

হল কিঞ্চিৎ জখম, তবে বেশি কিছু নয়। এরকম ঘটনা ঘটলে সারেংকে নিকটবর্তী পুলিশ-থানায় রিপোর্ট করতে হয়। স্টিমারের লোকজনদের মধ্যে অনেক জেলার লোক ছিল—চাঁটগাঁ, নোয়াখালি, কুমিল্লা, ঢাকা, ময়মনসিং। দেখলুম সকলে একমত যে, এ অঞ্চলের লোক বড়ো সহজ নয়, তিলকে তাল করে তোলার মতো কল্লনার দোর নাকি এদের প্রচুর আছে। সারেংয়ের ইচ্ছা, তার রিপোর্টটা ইংরেজিতে লেখা হয়। স্টিমারে চলনসই ইংরেজি লেখকের অভাব, সুতরাং ঘটনার রিপোর্টটা লিখে দিতে হল। কালিয়া স্টেশনে স্টিমার থামিয়ে স্টেশনমাস্টারবাবুকে সেই রিপোর্ট দেওয়া হল থানায় পাঠিয়ে দেবার জন্য। তাঁর মুখে শুনলুম, এখানে ইতিমধ্যেই রটে গিয়েছে যে, স্টিমার একখানা পাঁচ-শ-মনি বোঝাই নৌকা চাপা দিয়ে একেবারে ডুবিয়ে দিয়েছে।

- (ক) 'এখন চলেছি মানুষের ঘরকন্নার সাথী ছবির মতো ছোটো নদী দিয়ে।'— এই যাত্রাপথে লেখকের চোখে যে ছবি ধরা পড়েছিল তা আপনার নিজের ভাষায় লিখুন।
- (খ) 'এরকম ঘটনা ঘটলে সারেংকে নিকটবর্তী পুলিশ-থানায় রিপোর্ট পাঠাতে হয়।'— 'এরকম ঘটনা'-টি কী? এই ঘটনার বর্ণনা দিন।
- (গ) 'ঘটনার রিপোর্টটা' কাকে কেন লিখে দিতে হয়েছিল— লিখুন।
- (ঘ) 'খোঁড়ার পা-ই থানায় পড়ে' এবং 'তিলকে তাল করে তোলা'— এই বাক্যাংশ দুটির অর্থ এই অনুচ্ছেদের মধ্যে কীভাবে সত্য হয়ে উঠেছিল,— নিজের ভাষায় লিখুন।

৫। নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদটি বাংলায় অনুবাদ করুন :

৪০

Three days after the incident Col. - Gracy returned and gave the following account of the tragic disaster. "It was Sunday night. We were getting ready to go to sleep in our own cabins when the ship received a shock and I was thrown off the bed. I heard the cries of agony of the passengers of the ship. I looked at my wristwatch—it was just ten. In the midst of wailing on all sides I came to know that the ship had struck against an iceberg and had been seriously damaged. Death was inevitable."

HINDI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORTS, PRÉCIS WRITING, COMPOSITION AND TRANSLATION

- নিম্নলিখিত में से किसी एक विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी हिंदी समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए (अधिकतम 150 शब्दों में) (Write a letter within 150 words): 40
(नाम पता के स्थान पर XYZ)
(क) मूल्य-वृद्धि की समस्या
(ख) जल-संरक्षण
(ग) भारत में धर्मनिरपेक्षता
- निम্নलिखित विषय पर 200 शब्दों में एक संपादकीय प्रतिवेदन लिखिए (Write a report within 200 words): 40
साइबर अपराध और सोशल मीडिया की भूमिका।
- निम্নलिखित गद्यांश का सारांश लिखिए (Write a précis of the following passage in Hindi and use special sheet provided for the purpose): 40
सभ्यता की वृद्धि के साथ-साथ ज्यों-ज्यों मनुष्य के व्यापार बहुरूपी और जटिल होते गए त्यों-त्यों उनके मूल रूप बहुत कुछ आच्छन्न होते गए। भावों के आदिम और सीधे लक्ष्यों के अतिरिक्त और-और लक्ष्यों की स्थापना होती गई, वासनाजन्य मूल व्यापारों के सिवा बुद्धि-द्वारा निश्चित व्यापारों का विधान बढ़ता गया। इस प्रकार बहुत से ऐसे व्यापारों से मनुष्य घिरता गया जिनके साथ उसके भावों का सीधा लगाव नहीं। जैसे आदि में भय का लक्ष्य अपने शरीर और अपनी सन्तति ही की रक्षा तक था; पर पीछे गाय, बैल, अन्न आदि की रक्षा आवश्यक हुई, यहाँ तक कि होते-होते धन, मान, अधिकार, प्रभुत्व इत्यादि अनेक

باتوں کی رक्षा کی چिन्ता نے घर کیا اور رक्षा کے उपाय بھی واسناजन्य प्रवृत्ति से भिन्न प्रकार के होने लगे। इसी प्रकार क्रोध, घृणा, लोभ आदि अन्य भावों के विषय भी अपने मूल रूपों से भिन्न रूप धारण करने लगे। कुछ भावों के विषय तो अमूर्त तक होने लगे, जैसे कीर्ति की लालसा। ऐसे भावों को ही बौद्ध-दर्शन में 'अरूपराग' कहते हैं।

4. प्रस्तुत गद्यांश का पाठ कर उसके आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

10×4=40

“राष्ट्र निर्माण में केवल पुरुषों की भूमिका महत्वपूर्ण नहीं होती बल्कि नारियाँ भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राष्ट्र निर्माण में सहायक होती हैं। महारानी लक्ष्मीबाई को कौन नहीं जानता, जिन्होंने आत्मबलिदान द्वारा स्वतंत्रता संग्राम की नींव डाली थी। इसके अतिरिक्त सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी, कस्तूरबा गाँधी आदि नारियों ने प्रत्यक्ष रूप से स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लिया। वर्तमान समय में हर क्षेत्र में नारी राष्ट्र निर्माण में कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने में लगी हुई है। विज्ञान के क्षेत्र में, राजनीति, चिकित्सा, प्रशासन, खेल-कूद, शिक्षण, रक्षा सम्बन्धी कार्यों समेत हर क्षेत्र में नारियों का बहुत योगदान मिल रहा है। उनसे भी अधिक उन नारियों का योगदान है जो अपने पुरुषों को देश निर्माण के कार्यों में लगाकर उनकी गृहस्थी की सेवा कर रही हैं, क्योंकि नारियों का सहयोग न मिलने पर पुरुष कोई काम नहीं कर सकते हैं। कहते हैं नारी नर की खान हैं, जननी है। नारी की गरिमा गौरवपूर्ण है। जिस देश की नारियाँ आगे नहीं आती, उस देश की प्रगति अधूरी रहती है, वह देश पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो सकता। इसलिए जीवन के हर क्षेत्र में आगे आने के लिए नारियों को प्रोत्साहित करना चाहिए।”

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(ख) 'नारी नर की खान हैं' वाक्यांश का अर्थ विश्लेषण कीजिए।

(ग) राष्ट्र निर्माण के विकास में नारियों के योगदान के विभिन्न क्षेत्रों का नाम लिखिए।

(घ) उपर्युक्त गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिए।

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए (Translate into Hindi) :

40

Three days after the incident Col. Gracy returned and gave the following account of the tragic disaster. "It was Sunday night. We were getting ready to go to sleep in our own cabins when the ship received a shock and I was thrown off the bed. I heard the cries of agony of the passengers of the ship. I looked at my wristwatch—it was just ten. In the midst of wailing on all sides I came to know that the ship had struck against an iceberg and had been seriously damaged. Death was inevitable."

URDU LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORTS, PRÉCIS WRITING, COMPOSITION AND TRANSLATION

1. Write a letter from the following topics to the editor of an Urdu newspaper within 150 words.

Write X, Y, Z instade of your name :

40

(الف) آن لائن تعلیم کے اثرات

(ب) وبائی مرض کو روکا اور دنیا کی موجودہ حالت

(ج) سوشل میڈیا کے سماج پر اثرات

2. Draft a report on the following topics within 200 words.

40

دنیا کو جنگ نہیں امن کی ضرورت ہے۔

3. Write a Précis of the following passage in Urdu (Use special sheet provide for this purpose):

40

درج ذیل اقتباس کی تلخیص پیش کیجئے۔ (تلخیص کے لئے مہیا شدہ کاغذ کا استعمال کیجئے۔)

مغربی ہندی کے حدود تقریباً وہی ہیں جو مدھیہ پردیش کے ہیں۔ یہ مغرب میں سرہند سے لے کر مشرق میں الہ آباد تک، شمال میں ہمالیہ کے دامن سے لے کر جنوب میں وندھیا چل اور بنڈل کھنڈ تک بولی جاتی ہے۔ اس کے شمال مغرب میں پنجابی زبان ہے اور جنوب، جنوب مشرق میں مراٹھی اور مشرقی ہندی، شمال میں یہ پہاڑی بولیوں (جنوئری، گڑھوال اور کما پوتی) سے گھری ہوئی ہے۔ اندرونی زبان کی شاخ میں صرف ہندی ایک ایسی زبان ہے جسے ہم خالص اندرونی زبان کہہ سکتے ہیں بلکہ اگر پنجابی، راجستھانی اور گجراتی کے ملوان حیثیت پر نظر رکھیں تو اندرونی گروہ کی نمائندہ زبان محض مغربی ہندی ہے۔ مغربی ہندی کا یہ نام مدھیہ پردیش کی زبان کو گریسن نے دیا ہے جس نے سب سے پہلے مشرقی اور مغربی ہندی میں فرق کیا ہے۔ مغربی ہندی مدھیہ پردیش کی زبان ہونے کی وجہ سے ہند آریائی زبان کی بہترین نمائندہ ہے، کیوں کہ اسی علاقہ میں سنسکرت شورسینی پر اکرت اور شورسینی اپ بھرنش پروان چڑھتی ہیں جن کی سچی جائیں اس علاقے کی جدید بولیاں کھڑی ہوئی (ہندوستانی) برج بھاشا، ہریانی، ہندیلی اور قنوجی ہیں جن کے مجموعے کو گریسن مغربی ہندی کا جدید نام دیتا ہے۔

لسانیاتی اعتبار سے مغربی ہندی کا تعلق براہ راست شورسینی اپ بھرنش سے ہے جو اس عہد کی بولیوں میں واحد اور ممتاز ادبی حیثیت کی مالک تھی، جس نے سب سے زیادہ سنسکرت کے اثر کو قبول کیا تھا۔ ہر عہد میں اس علاقہ کی زبان کا مرکز مقرر رہا ہے جو قدیم ہندی تمدن کا اہم مرکز تھا۔ اس سے قبل اپ بھرنش کے باب میں یہ لکھا جا چکا ہے کہ یہ اپ بھرنش راجپوتی عہد میں مسلمہ طور سے لاہور سے لے کر بنگال تک ادبی حیثیت سے رائج تھی۔ قدیم بنگالی شاعری کے نمونے اس بات کی شاہد ہیں۔ مغرب میں اس کی شمال مغربی بولیاں (کھڑی بولی اور ہریانوی بولی) اپنے اپنے علاقوں سے نکل کر لاہور تک دھاوے مارتی تھیں جس کا نتیجہ آج ہم مشرقی پنجابی زبان کی شکل میں پاتے ہیں۔ جنوب مغرب میں گجراتی اور راجستھانی زبانوں کی نوعیت بھی کچھ اسی قلم کی ہے جو کسی زمانہ میں بیرونی زبانوں سے تعلق رکھتی تھیں لیکن جن پر شورسینی اپ بھرنش کا اتنا گہرا اثر پڑا ہے کہ ان کا شمار اندوینی زبانوں میں کیا جاسکتا ہے۔

4. Read the following text carefully and write the answers of the questions:

10×4=40

درج ذیل متن کو فور سے پڑھئے اور نیچے دیئے گئے سوالوں کے جواب لکھئے۔

میر کے بارے میں عام رائے یہ ہے کہ وہ یاس پرست تھے اور ان کی شاعری پر قنوطیت چھائی ہوئی ہے۔ وہ زندگی اور عشق دونوں کے حوصلے ہم سے چھین لیتے ہیں۔ مجھے اس رائے سے ہمیشہ اختلاف رہا۔ میر اپنے دور کی بد حالی اور نجی سانحات زندگی سے بغاوت کی حد تک نا آسودہ تھے، اور ان کے بیشتر اشعار پر اگر گہری نگاہ ڈالی جائے تو ان کے لہجے میں بغاوت کا ایک مہذب اور پرا تمکنت احساس ملے گا۔

ہر دور میں بڑا شاعر وہی ہوتا ہے جو اپنے زمانہ کی کشاکشوں کا خوداری اور وقار کے ساتھ رچے ہوئے اشاروں میں اظہار کرے، لیکن شعر کو پرو پگنڈہ نہ ہونے دے۔ اسی کے ساتھ ساتھ شاعری کی عظمت کی ایک پہچان یہ ہے کہ وہ آئندہ نسلوں کے اندر بغیر واعظانہ یا مبلغانہ انداز اختیار کیے ہوئے یہ احساس پیدا کر سکے کہ ان کو بھی اپنے زمانے کی نئی مشکلوں اور پیچیدگیوں کا خود اعتمادی کے ساتھ مقابلہ کرنا ہے، اور یہ بتائے کہ ہم نے اپنے زمانے کے دکھ درد اور طرح طرح کی خرابیوں کا سامنا جس طرح ہم سے ہو سکا کیا۔ اب تم اپنے دور کی نئی مشکلوں اور اپنی زندگی کے نئے مسائل کا سامنا جس طرح تم سے ہو سکے کرو اور ان پر فتح پا کر اپنی زندگی کو جس جس طریقہ سے ہو سکے سدھا رو۔ زندگی یا ادب میں پرانے زمانے کی بلند و بزرگ ہستیوں سے ہم بہت کچھ سیکھ سکتے ہیں، لیکن ہم کو ان کی نقل کرنا نہیں ہے، اس لیے کہ ان کے زمانہ کے مسائل کچھ اور تھے، ہمارے زمانے کے مسائل کچھ اور ہیں، اور جو طریقے انہوں نے اختیار لیے ان سے ہمارا کام نہیں چلے گا۔

میر غزل گو شاعر تھے، اور غزل میں آج تک کوئی مرتب اور منضبط پیغام نہیں دیا جا سکا۔ غزل گو عام طور سے عشق و محبت کی زبان میں گفتگو کرتا ہے، اور کبھی زندگی کے دوسرے موضوع کا ذکر کرتا ہے تو بھی اس کے لہجے میں وہی شجیدہ نرمی ہوتی ہے جو عشق کی زبان کی ایک نمایاں خصوصیت بتائی گئی ہے۔ اس لیے اگر کسی غزل گو شاعر کو اپنے زمانے سے کوئی شکایت یا بغاوت ہوتی بھی ہے تو اس کا روپ ایسا بدلا ہوا ہوتا ہے کہ ہم صحیح طور پر اس کو جان پہچان نہیں سکتے، لیکن اگر کوئی رمز شفا اور نکتہ درس مطالعہ کرنے والا ہو تو اس کو ہر بڑے غزل گو شاعر کے کلام میں ایک مستقل فکری جھکاؤ یا جذباتی میلان ملے گا جس کا تعلق اس کے زمانے اور ماحول سے ہوگا۔

- (i) میر کے بارے میں عام رائے کیا ہے؟
- (ii) ہر دور میں بڑا شاعر کس طرح اپنے عہد کے مسائل شاعری میں پیش کرتا ہے۔
- (iii) شاعری کی عظمت کی پہچان کیا ہے؟
- (iv) غزل گو شاعر کس زبان میں گفتگو کرتا ہے اور اس کے اظہار کا طریقہ کیا ہوتا ہے؟

5. Translate into Urdu:

Three days after the incident Col. - Gracy returned and gave the following account of the tragic disaster. "It was Sunday night. We were getting ready to go to sleep in our own cabins when the ship received a shock and I was thrown off the bed. I heard the cries of agony of the passengers of the ship. I looked at my wristwatch—it was just ten. In the midst of wailing on all sides I came to know that the ship had struck against an iceberg and had been seriously damaged. Death was inevitable."

NEPALI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRÉCIS WRITING, COMPOSITION AND TRANSLATION

1. Write a letter in about 150 words (*any one*) (Write XYZ for Name and Address): 40
 कुनै एउटा विषयमा 150 शब्दभित्र पत्र लेख्नुहोस् (नाम र ठेगानाका ठाँउमा XYZ लेख्नुहोस्):
 (क) पर्यटन र अर्थ उपार्जन
 (ख) पर्यावरण सुरक्षा
 (ग) देशको बेरोजगारी समस्या र तपाईंको सुझाव
2. Draft a report on the following topic in about 200 words: 40
 200 शब्दभित्र प्रतिवेदन तयार पार्नुहोस् :
 देशको अर्थनीतिमा कोभिड 19 (COVID 19) को प्रभाव।
3. Write a Précis of the following passage in Nepali (use the special sheet provided for the purpose): 40
 तलको गद्यांशको सारांश लेख्नुहोस् :
 कला के हो? यस प्रश्नको उत्तर अनेक मतमतान्तरभित्र अलझिएको छ। विद्वानहरूले यसका लागि अनेक परिभाषा बनाएका छन्, भिन्न भिन्न व्यक्तिहरूले भिन्न भिन्न मत प्रकट गरेका छन्। प्रसिद्ध अङ्ग्रेजी कवि शेलेलीको सम्मतिमा कल्पनालाई अभिव्यक्ति गर्नु नै कला हो। रवीन्द्रनाथ ठाकुर भन्दछन्—'जुन सत हो, जुन सुन्दर हो, त्यही नै कला हो'। कला जीवन र जगतको अभिव्यक्तिको माध्यम हो। कलाको प्रमुख प्रवृत्ति तन्मयताको प्रवृत्ति हो। जब श्रोता पाठक र दर्शक भावविभोर भएर सुन्दै, पढ्दै र हेर्दै उचित र अनुचितको निर्णयलाई टाढै राखेर उल्लिखित विषयमा तन्मय (ध्यानमग्न) हुन्छन् औ त्यसैबेला कलाको सार्थकता सिद्ध हुन्छ। सौन्दर्य र सौन्दर्यबोध नै कलाको मूल स्रोत हो। तर सुन्दर के हो? यो पनि एउटा रहस्य नै छ। यस सम्बन्धमा ओस्कार वाइल्ड भन्दछन्—'जुन वस्तुसित हाम्रो कुनै प्रयोजनगत सम्बन्ध छैन, त्यही सुन्दर हो'। वैयक्तिक

सौन्दर्यको आश्रय लिएर सम्पूर्ण मानवीय सौन्दर्य भन्दा पनि सुदूर त्यस परम सौन्दर्य तर्फ अग्रसर हुनुपर्दछ जहाँबाट संस्कृतिको पटमाथि छरिएको सम्पूर्ण सौन्दर्यले जन्म एवम् विकास पाउँदछ। कुनै पनि मनुष्यको केवल बाहिरी रूपलाई मात्र चर्म-चक्षु द्वारा देख्न सकिन्छ। उसको आन्तरिक रूप चाहिँ अन्तर्चक्षु द्वारा मात्र हेर्न सकिन्छ।

4. Read the following text carefully and write the answers on the questions: 10×4=40

निम्नलिखित उद्धरण पढेर तल दिइएका प्रश्नहरूको उत्तर लेख्नुहोस् :

महाकाल बाबाको थानमा मिररी घाम झुल्किसक्दा पनि पश्चिमपट्टि फर्केको दार्जिलिङको चोक बजारमा अझ घामै झुल्केको थिएन। बिहानीपख, टाढामा देखिने पूर्वतिरका ती नीला पहाडहरूबाट लहरै लहर माला जस्ता भएर झरेका उपत्यकाहरूमा पनि सूर्यका लामा लामा किरणको छाप अहिलेसम्म परेकै थिएन। केवल प्रातःकालदेखि देखिने उत्तरपट्टिको पर्वतराज हिमालयका ती चुन्ने टकुराहरूमा भने सुनौला तर गुलाफी किसिमको टलक रमाइलो गरी धेरै बेरदेखि खेलिरहेको थियो। तर जति जति सूर्य मास्तिर आकाशमा उक्लँदै जान्थे उति उति त्यो टलक पनि फिका हुँदै हराउँदै त्यस ठाउँ चाँदीको जलपको रूपमा विस्तार विस्तार परिवर्तन हुँदै जान्थ्यो। महाकाल बाबाको थान वरिपरी रातभरी शीत र चिसो हावाले काम्र लागेका रूखका पातहरूमा बल्ल सूर्यका पहुँला किरण पर्दा चारैतिर प्रकृति एक्कासि सुनको जलप आएर हाँसे जस्तो देखियो धेरै शीतका थोपाहरू रूखका पातमा काम्दै झुण्डिरहेका थिए, ती पनि अहिले त सुन जस्तै भएर चम्किरहेका थिए। गुराँसको बोटका हाँगाहरूमा भर्खर भर्खर गुलाफी र गहिरो रातो रङ्गमा फक्रन लागेका फूलहरू थिए तिनलाई पनि सूर्यको उष्ण किरणले अहिले नै म्वाइँ खाला खाला जस्तो देखिन्थ्यो।

- (क) माथिको उद्धरणमा सूर्यादयको वर्णन कसरी गरिएको छ?
- (ख) माथिको उद्धरणमा भएको प्रकृति वर्णनलाई सरल भाषामा लेख्नुहोस्।
- (ग) चौँदीको जलाप, सूर्यका पहेंला किरण, सूर्यको उष्ण किरण, आकाशमा उक्लनु वाक्यांशहरूका अर्थ लेख्नुहोस्।
- (घ) टलक, म्बाई, प्रकृति, फिका शब्दहरूलाई अर्थ स्पष्ट हुनेगरी वाक्यमा प्रयोग गर्नुहोस्।

5. Translate into Nepali: 40

Three days after the incident Col. Gracy returned and gave the following account of the tragic disaster. "It was Sunday night. We were getting ready to go to sleep in our own cabins when the ship received a shock and I was thrown off the bed. I heard the cries of agony of the passengers of the ship. I looked at my wristwatch—it was just ten. In the midst of wailing on all sides I came to know that the ship had struck against an iceberg and had been seriously damaged. Death was inevitable."

SANTALI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRÉCIS WRITING,
COMPOSITION AND TRANSLATION

1. ଲେଖନୀ ଲେଖିବେ (Write a letter within 150 words): 40

[illegible]

- [illegible]

- [illegible]

